https://www.printo.it/pediatric-rheumatology/IN_HI/intro

कभी कभार होने वाले वास्कुलटिकि बीमारयिां

के संस्करण 2016

8. अन्य वास्कुलटिसि व अन्य बीमारयिां

कूटनिओउस् लुक्सटिोक्लास्टकि वास्कुलटिसि (यह भी कहे जाते हैं एलर्जकि वास्कुलटिसि) का मतलब हे खून की वाहिनिी का कसिी चीज़ के प्रतअिनुचति प्रतकि्रयिा के कारण होने वाला प्रज्वलन। दवाएं व संक्रमण बच्चों में प्राय कारण हैं। यह सामान्यता छोटी धमनी को प्रभावति करती है और चमड़ी की बीओप्सी मेँ वशिेश प्रकार की दखिती है।

ह्यपोकप्लेमेंटेमकि अर्टकिरअिल वास्कुलटिसि जसिमे खुजली वाले दाग जो चकते जैसे लगते है पर जल्दी खत्म नहीं होते। इस बीमारी मे खून में कॉम्प्लीमेंट की मात्रा कम पायी जाती है।

एओसनिनिोफलिकि पोल्यांजटिसि (चुरग स्ट्रेस सडि्रोम)एक बहुत कम पायी जाने वाली बीमारी है। चमड़ी व अन्दरूनी अंगो में लक्षण के साथ साथ अस्थमा व् एक तरह के खून के कण जो इओसनिोफ़लि कहलाते है का खून व अंगो में बढ़ना।

कोगन सडि्रोम एक कम पायी जाने वाली बीमारी है जसिमे आँख, कान का अन्दर का भाग प्रभावति होते है व चक्कर, कम सुनना व आँख में रोशनिी चुभना जैसे लक्षण होते हैं। अन्य अंगो पर भी बीमारी के प्रभाव के लक्षण हो सकते हैं।

बेशेट्स बीमारी को अन्य जगह पर लखिा गया है।